प्र.सं. .... / वाद / प्र.पत्र / ....

	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
5/3/26	वकीलवादी उप०। जिरह साक्ष्यवादी हेतु आवाज अनुप०। जिरह हेतु आगामी पेशी पर आवश्यक रूप से पेश होंगे हेतु अंतिम अवसर दिया। पत्रा० वास्ते जिरह साक्ष्यवादी दि० 18/3/26 को पेश हो।	
18/3/26	वकील वादी उप०। वकील वादी ने साक्ष्य वादी पेश करने से मना कर बहस एक निवेदन करने पर बहस [illegible] वाद पत्र सुनी गई। पत्रावली वास्ते आदेश दि० 25/3/26 को पेश हो।	
25/3/26	वकील वादी उपस्थित बहस एकपक्षीय सुनी गयी। वकील वादी ने वाद पत्र में वर्णित तथ्यों को संक्षेप में दोहराते हुये निवेदन किया कि वादीनी की खातेदार अधिकार की भूमि खसरा सं0 755/330 रकबा 0.3642 है0 वाके ग्राम बल्लोप पटवार हल्का व भू0अभि0नि0 बल्लोप में विरिथत है। जिस पर वादीनी शांतिपूर्वक काबिज काश्त है। जिस पर प्रतिवादी क्रम 1 जबरन ताकत के बल पर कब्जा कर वादीनी को अपनी भूमि से बेदखल करने पर आमादा है। प्रतिवादी 1 परोक्ष व अपरोक्ष रूप से वादीनी को अपनी कृषि भूमि पर फसल करने मे व्यवधान पैदा करता है। कुछ भी कहने पर लड़ाई झगड़ा व झूठे केस मे फसाने की धमकी देता है। वादीनी को अधिकार प्राप्त है कि उक्त परिस्थितियों में प्रतिवादी क्रम 1 को स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद करावे कि वह वादीनी की खातेदारी अधिकार की भूमि से वादीनी को बेदखल नही करे, अतिक्रमण नही करे तथा कृषि कार्य में किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न नही करे। उक्त कार्य न तो स्वयं करे ना ही अपने प्रतिनिधि से करावें। अतः वादीनी का वाद स्वीकार कर प्रतिवादी के विरूद्ध स्थाई निषेधाज्ञा जारी करने की कृपा करे। बहस उभयपक्ष पर मनन करने एवं पत्रावली पर उपलब्ध रेकार्ड का अवलोकन करने पर हम इस निष्कर्ष पर पहुचे है कि वाद वर्णित आराजी खसरा सं0 755/330 रकबा 0.3642 है0 वाके ग्राम बल्लोप पटवार हल्का व भू0अभि0नि0 बल्लोप वादीनी की खातेदारी अधिकार की भूमि है जिस पर वादीनी को समस्त खातेदारी अधिकार प्राप्त है। प्रतिवादी क्रम 1 का वाद वर्णित आराजी पर किसी प्रकार का कोई हक अधिकार निहित नही है। अतः वादीनी को अपने खातेदारी अधिकार की भूमि पर प्रतिवादी क्रम 1 के विरूद्ध स्थाई निषेधाज्ञा प्राप्त करने का अधिकार निहित है। अतः वाद वादीनी स्वीकार कर प्रतिवादी क्रम 1 को स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाता है कि वह वादग्रस्त आराजी खसरा सं0 755/330 रकबा 0.3642 है0 वाके ग्राम बल्लोप पटवार हल्का व भू0अभि0नि0 बल्लोप पर से वादीनी को जबरन	

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज
	बलपूर्वक बेदखल नही करे, अतिक्रमण नही करे तथा कृषि कार्य में किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न नही करे। उक्त कार्य न तो स्वयं करे ना ही अपने प्रतिनिधि से करावें। डिक्री पर्चा जारी हो। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो बाद तामील तकमील नियमानुसार दाखिल दफ्तर हो।